# [सामान्य - परिचय]

Join on telegram · t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

⇒ **नामकरण** →

→ वाल्मीकि ने राजस्थान को मरुकांतर कहा।

→ जॉर्ज थॉमस ने 1800ई में राजपूताना का प्रयोग किया जिसका प्रमाण 1805 ई. में प्रकाशित पुस्तक " द मिलिट्री मेमोरीज ऑफ Mr. जॉर्ज थॉमस" से मिलता है जिसके लेखक विलियम फ्रैंकलीन थे।

→ कर्नल जेम्स टॉड द्वारा 1829 में लिखी अपनी पुस्तक " द एनाल्स एण्ड एण्टीक्युटीज ऑफ RJ " में रजवाड़ा, राजस्थान, रायथान का प्रयोग किया गया।

→ राजस्थान शब्द का सर्वप्राचीन उल्लेख मिलता है -

(1) चित्तौड़ शिलालेख (532ई) = "राजस्थानीय शब्द"

(2) बसंतगढ़ शिलालेख सिरोही (625ई) = "राजस्थानीय II"

→ RJ. को संवैधानिक रूप से नामांकरण 26 Jan 1950 को हुआ।

→ आजादी पूर्व RJ. में 19 रियासते, ठिकाने, केन्द्रशासित — 7 चरण में एकीकरण

→ चौथे चरण 30 मार्च 1949 को राजस्थान की राजधानी जयपुर निर्धारित की गई।

→ राजस्थान दिवस = 30 मार्च 1949

→ 1 NOV 1956 को राजस्थान का वर्तमान स्वरूप में आया। जो 7वां चरण था।

→ 1 NOV को राजस्थान स्थापना दिवस।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

## ⇒ राजस्थान का क्षेत्रफल

→ क्षेत्रफल → 342239 Km²
→ 132140 मील²

→ RJ. का भारत के क्षेत्रफल में हिस्सा = 10.41%

→ क्षेत्रफल अनुसार RJ. भारत का सबसे बड़ा राज्य (1 Nov 2000 से)

→ RJ. की अन्य देशों से तुलना ⇒
- (i) इंग्लैण्ड से दुगुना।
- (ii) चेकोस्लोवाकिया से 3 गुणा।
- (iii) इजराइल से 17 गुणा।
- (iv) श्रीलंका = 5 गुणा।
- (v) जापान के बराबर।

## ⇒ राजस्थान का विस्तार

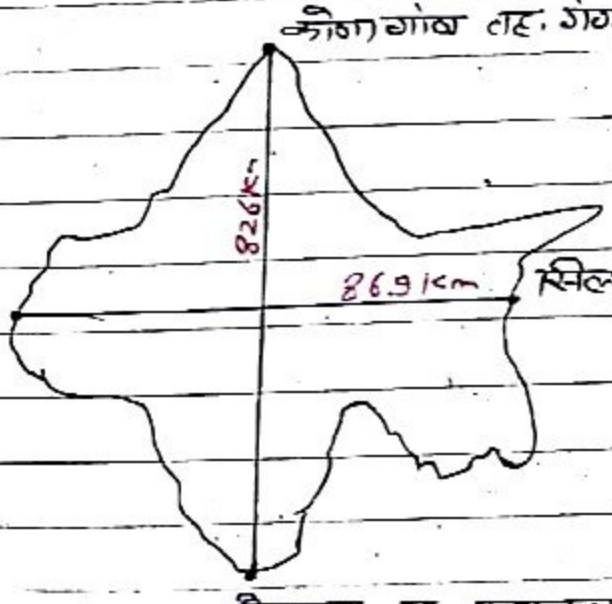




→ RJ में जिलों की संख्या = 33

→ **बड़े जिले** = जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर
(38401 km²)

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ छोटे जिले - धौलपुर, दौसा, डूंगरपुर, राजसमंद
↓
($3034 km^2$)

→ RJ. जैसलमेर से 8.9 गुणा बड़ा है।
→ जैसलमेर RJ का लगभग 11.22% भाग है।
→ RJ. धौलपुर से 112.8 गुणा है।
→ धौलपुर RJ का 0.88% हिस्सा है।
→ जैसलमेर धौलपुर से 12.66 गुणा बड़ा।
→ धौलपुर जैसलमेर का 7.9% है।

page-2

→ राजस्थान कि स्थिति →

(1) गोलीय स्थिति - उत्तरी-पूर्वी गोलार्द्ध।
- अक्षांश रेखा के आधार पर स्थिति उत्तरी गोलार्द्ध।
- देशांतर रेखा के आधार पर : पूर्वी।

(2) विश्व में स्थिति - उत्तर-पूर्व दिशा।

(3) महाद्वीपीय स्थिति - दक्षिण-पश्चिम दिशा।

(4) देशीय स्थिति - उत्तर-पश्चिम दिशा।

(5) अक्षांशीय स्थिति - →23°03' से 30°12' उत्तरी अक्षांश।
- RJ का अक्षांशीय विस्तार 7°9' है।
- बांसवाड़ा में 21 ~~दिसम्बर~~ जून को सूर्य लम्बवत चमकता है।
- राज्य में सूर्य की सबसे तीरछी किरणे 22 Dec को आएगी।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

- RJ में सबसे बड़ा दिन = 21 जून (13घंटे)
- RJ में सबसे बड़ी रात = 22 Dec
- RJ में दिन व रात बराबर = 21 मार्च, 23 सितं
- RJ मे कर्क रेखा की ल. 26 km है जो बांसवाड़ा से गुजरती है।

(6) देशांतरीय स्थिति → 69°30' से 78°17' पूर्वी देशांतर
- देशांतरीय विस्तार 8°47' है।
- देशांतर का USe समय गणना हेतु।
- एक देशांतर से दूसरे देशांतर में 4 min का अंतराल होता है।
- RJ. के पूर्वी से पश्चिमी में सूर्योदय का अन्तराल 35 min 8 sec है।
- धौलपुर के पूर्वी किनारे से जैसलमेर के पूर्वी किनारे तक सूर्योदय अन्तराल 25 मिनट है।

⇒ (राजस्थान की सीमा) → कुल लम्बाई = 5920 km

→ यह सीमा 1 देश व 5 राज्यों से लगती है।
→ RJ. अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमा दोनों बनाता है।

→ (अंतर्राष्ट्रीय सीमा) →
→ "रेड क्लिफ रेखा"
→ 14-17 Aug 1947 को निर्धारित।
→ प्रारम्भ = हिन्दुमलकोट (गंगानगर)
अंत = बाखासर शाहगढ़ (बाड़मेर)
→ लम्बाई = 1070 km
- गंगानगर = 210 km

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

बीकानेर = 168 km
जैसलमेर = 464 km
बाड़मेर = 228 km

→ पाकिस्तान के पंजाब व सिन्धु प्रांत के 9 जिले RJ. से लगते है।
 3 जिले = पंजाब।
 6 जिले = सिन्धु।
→ RJ. के 4 जिले गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर व बाड़मेर PAK से लगते है।
→ RJ की 12 तहसील PAK से सीमा बनाती है। RJ 11 - 5
 RJ 07 - 2
 RJ 15 - 2
 RJ 04 - 3

→ अंतर्राज्यीय सीमा →

(1) पंजाब - लम्बाई = 89 km
- RJ के जिले = गंगानगर(L), हनुमानगढ़(M) (2)
पंजाब के जिले = फाजिल्का, मुक्तसर (2)

(2) हरियाणा - लम्बाई = 1262 km
- RJ के जिले = हनुमानगढ़(L), चुरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर(m), अलवर, भरतपुर (7)
- हरि. के जिले = फतेहाबाद, सिरसा, हिसार, भिवानी, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, मेवात/नूह (7)

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(3) **U.P** - लम्बाई : ~~[illegible]~~ 877 km
- RJ के जिले - भरतपुर (1), धौलपुर (2)
- U.P के जिले - आगरा, मथुरा (2)

(4) **M.P** - लम्बाई : 1600 km
- RJ के जिले - धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बारां, झालावाड़ (6), चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा (8) प्रतापगढ़, बांसवाड़ा (10)
- M.P के जिले - मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाहजापुर, नीमच, रतलाम, मंदसौर, झाबुआ

(5) **गुजरात** - लम्बाई : 1022 km
R.J के जिले = बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर (3) सिरोही, जालौर, बाड़मेर (6) (6)
G.J के जिले = कच्छ, अरावली, बनासकांठा, साबरकांठा, दाहोद, महीसागर (6)

→ कुल सीमावर्ती जिले = 25
→ अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती जिले = 4
→ अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले = 23
→ केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती जिले = 2
→ केवल अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले = 21
→ राज्य के आंतरिक जिले = 8
→ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सबसे नजदीक जिला मुख्यालय **गंगानगर** है।
→ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सबसे दूर जिला मुख्यालय **धौलपुर**।
→ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलो मेंसे सबसे दूर जिला मुख्यालय **बीकानेर** है।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सबसे नजदीक सीमा वाला ज़िला जालौर है।

→ दो स्थानों पर स्थित ज़िले - (i) अजमेर।
(ii) चित्तौड़गढ़।

→ दो बार अन्तर्राज्यीय सीमा बनाने वाले जिले - (i) कोटा।
(ii) चित्तौड़।

→ U.P व M.P के समान सामाजिक व्यवस्था वाला ज़िला धौलपुर है।

पंजाब + PAK = गंगानगर
पंजाब + हरियाणा = हनुमानगढ़
हरियाणा + U.P = भरतपुर
U.P + M.P = धौलपुर
M.P + गुजरात = बांसवाड़ा
गुजरात + PAK = बाड़मेर

Part-1 [राजस्थान के भौतिक प्रदेश]

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ RJ. के भौतिक प्रदेश का सर्वप्रथम वर्गीकरण V.C मिश्रा ने किया व 7 भाग बताए-

① शुष्क मरुस्थल।
② अर्द्ध शुष्क मरुस्थल।
③ अरावली पर्वत माला।
④ पूर्वी औद्योगिक प्रदेश।
⑤ चम्बल बीहड़।
⑥ द-पू औद्योगिक प्रदेश।
⑦ नहरी क्षेत्र।

→ RJ का वर्तमान वर्गीकरण H.M सक्सेना + त्रिवेदी द्वारा किया गया। व आधार धरातल की बनावट को माना-




→ वर्तमान वर्गीकरण आधार पर RJ के 4 भाग है-

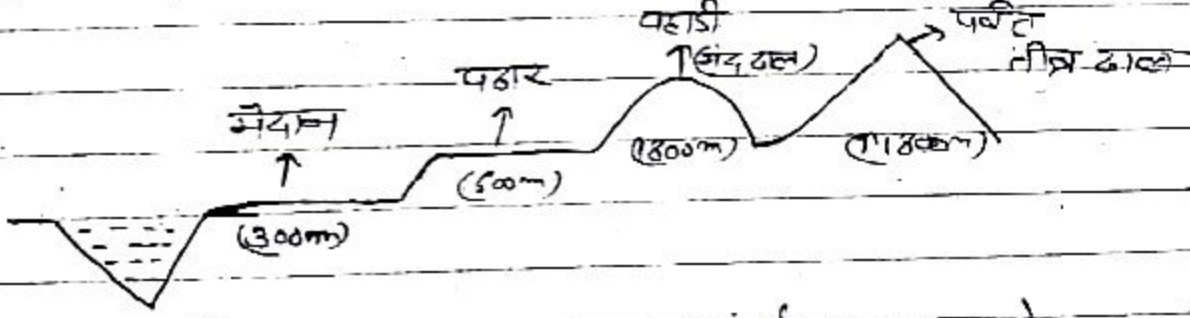

① पश्चिमी मरुस्थल।
② अरावली पर्वत माला।
③ पूर्वी मैदान।
④ द-पू. पठार।

→ (भौतिक प्रदेशों का निर्माण) →

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ RJ के भौतिक प्रदेशों का निर्माण आधार पर क्रम -
① मरुस्थल = 4
② अरावली = 1
③ पूर्वी मैदान = 3
④ द.पू. पठार = 2

→ मरुस्थल का निर्माण प्लीस्टोसीन काल व नवजीवी कल्प में हुआ। इसमें अवसादी चट्टानें हैं।
→ अरावली पर्वतमाला का निर्माण प्री-कैम्ब्रियन युग व आद्य कल्प में हुआ। आग्नेय चट्टान।
→ पूर्वी-मैदान का निर्माण प्लीस्टोसीन काल व नवजीवी कल्प में। चट्टान नहीं।
→ द.पू. ~~मैदान~~ पठार का निर्माण क्रिटेशियस काल व मध्यजीवी कल्प में हुआ। आग्नेय चट्टान।

Part-2

⇒ **पश्चिमी मरुस्थल**

→ हिस्सा = ग्रेट पॉलि आर्कटिक / सहारा मरुस्थल।
→ अवशेष = टेथिस सागर का।
→ प्रमाण = ① खारे पानी की झील बनना।
② पेट्रोलियम पदार्थ का मिलना।
③ कोयले का मिलना।
④ समुद्री वनस्पति का मिलना।
(यह आकल गाँव जैसलमेर में मिली)
→ विस्तार = - RJ के 11 जिलों में विस्तार है
- गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, बाड़मेर, चुरू, जालोर, झुंझुनु, सीकर, नागौर, जोधपुर, पाली।
- इसका ढाल उ-पू से द.प की ओर है

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

- लम्बाई : 640 km।
  चौड़ाई : 300 km।
→ क्षेत्रफल = - 209543.25 km²।
  - RJ का 61.11% है।
  - मुख्य मरुस्थल का क्षेत्र : 175000 km²
    जो RJ का 52% है।
→ जनसंख्या = लगभग 40%
→ मिट्टी = रेतीली / बालु मिट्टी।
  (i) कणों का आकार बड़ा।
  (ii) उत्पादन क्षमता कम।
  (iii) जल धारण क्षमता कम।
→ भूगर्भ में = जिप्सम + चूना पत्थर।
→ यह मरुस्थल विश्व में सर्वाधिक जन घनत्व, जैव विविधता वाला है।
→ इसका उपनाम रूक्ष प्रदेश भी है जो ईश्वर प्रलाय में रहा।
→ वर्षा = 20-50 cm
→ जैसलमेर का सम गाँव वनस्पति विहिन गाँव है इसे RJ का थण्डरबोल्ट कहते है।
→ यहाँ वर्षा पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ती है।
→ अर्थव्यवस्था = - पशुपालन व कृषि आधारित व्यवस्था।
  - कृषि कार्य चारिम + कृषि होता है।
→ वनस्पति = - मरुद्भिद या झाड़िनुमा या कांटेदार वनस्पति
  - जिरोफाइटस प्रकार

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ यहाँ अपरदन का कार्य वायु द्वारा होता है।

→ खनिज = अधात्विक / समुद्री खनिज।
→ सिंचाई = वर्षा आधारित।
- वर्तमान में INGP द्वारा सिंचाई।

नोट → थार मरुस्थल पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात व PAK में फैला है।
इसका 60% भाग राज. में है।

→ यह RJ. की जलवायु को प्रभावित करता है।

परीक्षा

→ उपविभाजन →

(1) वर्षा के आधार पर -

→ वर्षा = 20 - 50 cm.

(i) शुष्क / महान मरु. → - यह मरुस्थल में 25 cm वर्षा रेखा द्वारा अलग।
- वर्षा 0 - 25 cm
- बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर में फैला।
- यहां रेत के टीलों का विस्तार है जिन्हे बालुका स्तूप कहते है।
- बालुका स्तूपों का हवा के साथ आगे बढ़ना मरुस्थल मार्च कहलाता है व प्रसिद्ध गांव नाचना है।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

## स्तूप के प्रकार

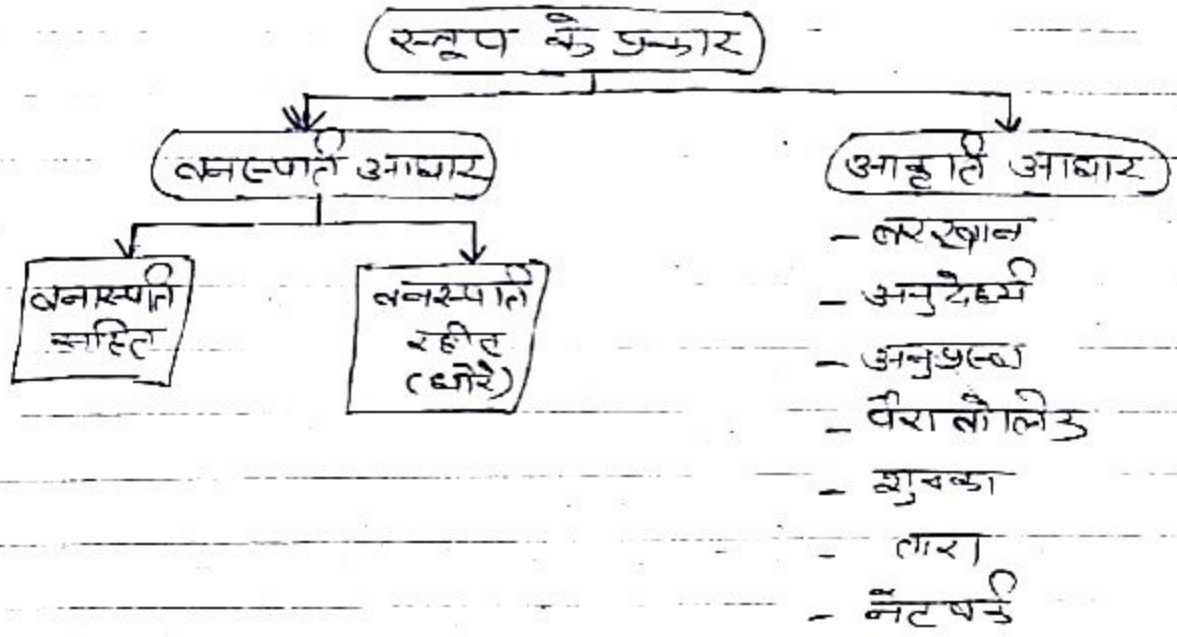

- वनस्पति आधार
  - वनस्पति सहित
  - वनस्पति रहित (धोरे)
- आकृति आधार
  - बरखान
  - अनुदैर्ध्य
  - अनुप्रस्थ
  - पैराबोलिक
  - शुब्का
  - तारा
  - नेटवर्क

① **बरखान** →
- अर्द्धचन्द्राकार आकृति
- यह महान मरु. + शेखावाटी में भी पाये जाते है
- भालेरी (चूरू), मण्डावा, ओसियाँ।
- ये सर्वाधिक गतिशील है। व सर्वाधिक मरुस्थल प्रसार है।

② **अनुदैर्ध्य** →
- सीफ बालुका स्तूप।
- रेखीय बालुका स्तूप।
- पवनानुवर्ती स्तूप।
- यह महान मरु. में पाये जाते है।

③ **अनुप्रस्थ** →
- इसका निर्माण हवा के समकोण पर होता है।
- हवा सम्मुख ढाल मंद।
- हवा विमुख ढाल तेज।
- यह महान मरुस्थल + शेखावाटी + अरावली के समांतर।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

④ (पैराबोलिक) → - पेड़ के सहारे निर्माण।
- ये हेयर पीन के समान होती है।
- यह सम्पूर्ण राज. में पाये जाते है।

⑤ (शुब्रकाफिज) → - अवरोधी बालुका स्तूप।
- झाड़ियों के सहारे निर्माण।
- छोटी वनस्पति के सहारे।

⑥ (तारा/स्टार) → - यह तारे के समान होते है
- यह मोहनगढ़, सूरतगढ़, अनूपगढ़ पोकरण में पाये जाते है

⑦ (नेटवर्क) → - यह हनुमानगढ़ से हिसार तक पाये जाते है।

→ महान मरुस्थल में जल स्रोत -

① (आगोर) → घर के आंगन में जल संरक्षण हेतु बनाई गई टंकी।
② (टांका) → पानी का कुण्ड।
③ (नाडी) → छोटी खेत लो।
④ (टोबा) → बड़ी खेत ला।
⑤ (खडीन) → खेतो में ढालवाले क्षेत्र में पाल द्वारा जल रोकना।

(part-4)

→ सभी प्रकार के बालुका स्तूप वाला जिला = जोधपुर
→ इस मरुस्थल में पायी जाने वाली झीलों को टाड/रन (प्लेटि) व रलाया (छोगिम) कहते है।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

| झीलें | | जिले |
| --- | --- | --- |
| बाप | → | जोधपुर |
| लावा | → | —"— |
| पोकरण | → | जैसलमेर |
| थोब | → | बाड़मेर |
| भाकरी | → | —"— |
| बरिमसर | → | —"— |
| तालछापर | → | चुरू |
| परिहारी | → | —"— |
| मोकड़ | → | जालौर |
| सांभर | → | जयपुर |

→ यह झीलें बालुका स्तूपों के मध्य बनती है यह दलदली व अस्थाई होती है।

→ पानी सूखने पर उसमें लवणता ज्यादा हो जाती है, व इस प्रकार झील को सैलीना झील कहते है

→ यहाँ बाप बोल्डर (जोधपुर में) है जहाँ पर गोल चिकने पत्थर का जमाव है जिसका सम्बंध पर्मो कार्बोनिफेरस काल से है

→ खादुरा बोल्डर = जोधपुर

→ लाठी सीरीज है जो भू-गर्भिक मीठे जल की पट्टी है।

→ लाठी सीरीज मे जल का स्रोत सरस्वती नदी को माना जाता है

→ लाठी सीरीज में सेवण, धामण, करड़, मुरात घास पायी जाती है।

→ सेवण घास का वैज्ञानिक नाम लासीयुरस सिंडिकस है जिसमें गोडावण पक्षी प्रजनन करता है

→ लाठी सीरीज मोहनगढ़ से पोकरण तक 80 km लम्बी व 60 km चौडी है

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ लाठी सीरीज से पानी हेतु नलकूप निकाला जाता है। जिसे थार का घड़ा कहते है।

राजस्थान का नखलीस्तान = गजनेर

→ आकल वुड फोसील पार्क = आकल गांव (जैसलमेर)

→ ↳ यहां पर जुरेसिक युग (1000 करोड़ साल पूर्व) की वनस्पति के अवशेष मिले। (प्राप्त स्थान)

→ यहां पर तनोट माता मंदिर है। जिन्हे थार की वैष्णो देवी कहा जाता है व सैनिकों की कुल देवी भी कहते है।

→ यहां पर बटाडू का कुआँ (बाड़मेर) है जिसे रेगिस्तान का जल महल कहा जाता है

→ यहां पर पीवणा सांप पाया जाता है।

→ यहां पर हवा अपरदन से बने रेत के टीले को धोरे या टीब्बा कहा जाता है।

→ महान मरुस्थल को 2 भागों में विभाजित है

(A) बालुका स्तूप विहीन = 41.8%
- पोकरण, फलोदी, बालोतरा।
- पेट्रोलियम उत्पादन।
- टर्शियरी युगीन चट्टानें।
- यहां पर खालसर झील पायी जाती है। जो पहाड़ियों से घिरी रहती है।

(B) बालुका स्तूप युक्त = 58.8%

(ii) **अर्द्धशुष्क मरुस्थल** - → 25-50 cm

→ इसके 4 भाग है-

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(A) घग्घर बेसिन = - गंगानगर, हनुमानगढ़।
- वर्तमान में यहाँ सर्वाधिक सिंचाई होती है।

(B) कांतली बेसिन = - सीकर, झुंझुनू, चूरू।
- शेखावाटी बेसिन।
- आंतरिक प्रवाह बेसिन।

(C) नागौरी उच्च भूमि = - नागौर, द. जोधपुर।
- सर्वाधिक फ्लोराइड प्रभावित।
- फ्लोराइड युक्त पानी पीने से फ्लोरोसीस रोग होता है।
- ज्यादा फ्लोराइड रोगी वाले स्थान को कुबड़पट्टी (नागौर to अजमेर) कहते है।

(D) लूणी बेसिन = - पाली, जालौर, द. बाड़मेर
- गोड़वाड़ बेसिन।

Page-5

(2) धरातल के आधार पर -
यह 3 प्रकार का है
(i) इर्ग = सम्पूर्ण मरु भाग।
(ii) रेग = कंकरीला मरु भाग।
(iii) हम्मादा = चट्टानी मरु भाग।
(iv) डंसेलाकार = मरु में तापु नुमा भू आकृति।

→ मरुस्थल में टार्शियरी युग तक सागर फैला हुआ था।
→ कुलधरा गांव - - कैक्टस गार्डन की स्थापना।
- व्हेल मछली के अवशेष।
- ऐतिहासिक गांव।
→ प. मरुस्थल विश्व का 17 वां बड़ा मरुस्थल है।
→ प. मरुस्थल भारतीय मानसून को प्रभावित करता है।

Join on telegram · t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ अरावली पर्वत माला → यह विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत माला है।

→ निर्माण → प्री-कैम्ब्रियन काल

→ अतुल कजाल ने अरावली की तुलना रूस की यूराल से करी।

→ अरावली के समकालीन पर्वत के समकालीन अप्लेशियन पर्वत माला (U.S.A) व धारवाड़ की पहाड़ियां है।

→ स्वरूप → - वलनाकार पर्वत माला (प्रारंभ में)
- अवशिष्ट पर्वत माला (वर्तमान में)

→ हिस्सा → (i) गोंडवाना लैंड। (पर्वत निर्माण अब नहीं)
- वर्तमान में अरावली की ऊंचाई घट रही
- भूकम्प की दृष्टि से सुरक्षित।

→ अरावली का सर्वप्रथम भूगर्भिक अध्ययन हैरोन ने किया।

→ इन्होने अरावली को निम्न समूह में बांटा -

(1) देहली समूह
(2) मालानी समूह
(3) रायलो समूह
(4) बुन्देलखण्ड नीस समूह
(5) बुन्देलखण्ड नीस जटिल चट्टान
(6) अरावली समूह।

→ अरावली की चट्टानें → - आंतरिक भाग में आग्नेय चट्टान (ग्रेनाइट + बेसाल्ट) पायी जाती।
- उपरी सतह पर अवसादी चट्टानें।
- खनिज आग्नेय चट्टानों होती है
- ग्रेनाइट + बेसाल्ट की सम्मिलित रूप से क्वार्टजाइट कहते है

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ **खनिज** → - धात्विक खनिज पाये जाते है जो भारी होते है

→ अरावली को खनिजों का अजायबघर कहा जाता है।

→ अरावली की उत्पत्ति अरब सागर के गिनीकॉम्ब रिफ से होती है अतः अरब सागर को अरावली का पिता कहता है।

→ गुजरात के पालनपुर के खेड़ब्रह्मा तक यह अन्तर्गत है व खेड़ब्रह्मा से लेकर RJ. से होते हुए दिल्ली के रायसीना हिल्स तक यह सतह पर है।

→ रायसीना हिल्स पर राष्ट्रपति भवन व JNU स्थित है।

→ विस्तार → खेड़ब्रह्मा से रायसीना हिल्स

→ लम्बाई → 692 km

→ **राजस्थान के संदर्भ में अरावली** →

Part-6

→ आबू रोड से अरावली का RJ. में प्रवेश।

→ ढोसी की पहाड़िया खेतड़ी झुंझुनू से RJ. से बाहर निकल जाती है।

→ RJ. में अरावली विस्तार → आबू रोड to खेतड़ी

→ RJ. में लम्बाई → 550 km (अरा. का 80%)

→ जनसंख्या → ~~10~~ 10%

→ ~~विस्तार~~ वर्षा → 60 - 80 cm

→ ऊँचाई → 930 m औसत वर्तमान
2700 - 2300 m (प्रारम्भ)
- ~~ऊँचाई~~ ऊँचाई द्र.(उ.)ह(0) से उत्तर की ओर घटती है

→ मुख्य विस्तार → अलवर, जयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, दौसा

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

मिट्टी → लेटेराइट मिट्टी।
कृषि → आदिवासीयों द्वारा स्थानांतरित कृषि।
फसल → मक्का।
सर्वा. ऊंचाई → सिरोही।
सर्वा. विस्तार → उदयपुर।
सर्वा. कटी-फटी → अजमेर।
सर्वा. संकीर्ण → अजमेर।

→ अरावली राज. की विभाजक है।
 → यह जलवायु विभाजन करता है।
 → यह भौतिक प्रदेशों का विभाजन।
 → अपवाह तंत्र का विभाजन।

→ अरावली की उपयोगीता →
 (i) खनिजों का भण्डार।
 (ii) मरुस्थल के पूर्वी विस्तार को रोकती है

→ अरावली का प्रभाव →
 (i) अरब सागर के मानसून का समान्तर गुजरना व वर्षा कम होना।
 (ii) बंगाल की खाड़ी के सापेक्ष वृष्टि छाया प्रदेश का निर्माण।

→ अरावली का उपविभाजन → अरावली को 3 भाग में बांटा गया.
 (1) उत्तरी अरावली।
 (2) मध्य अरावली।
 (3) दक्षिणी अरावली।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(1) उत्तरी अरावली → (सीकर से अलवर)

- विस्तार = झुंझुनू, सीकर, जयपुर, दौसा
अलवर। (4)

→ इस अरावली का क्रमबद्ध विस्तार नहीं है। क्योंकि इसके मध्य नदियां बहती जिसके कारण टोयानी विस्तार है

→ सीकर में फैली अरावली पहाड़ियों का स्थानीय नाम मालखेत पहाड़ियां है

→ इन्ही मालखेत पहाड़ियों पर हर्षनाथ मंदिर, जीणमाता मंदिर, पवन ऊर्जा संयंत्र लगाए व राज. का प्रथम पैराग्लाइडिंग सेंटर है।

→ प्रमुख चोटीयां →

(i) रघुनाथगढ़ (सीकर) = 1055m
(ii) मालखेत (सीकर) = 1052m
(iii) लोहागर्ल (झुंझुनू) = 1051m
(iv) भोजगढ़ (झुंझुनू) = 997m
(v) खोह (जयपुर) = 920m
(vi) भैरांच (अलवर) = 792m
(vii) बरवाड़ा (जयपुर) = 786m
(viii) बबाई (झुंझुनू) = 780m
(ix) बिलाली (अलवर) = 775m
(x) मनोहरपुरा (जयपुर)
(xi) सरिस्का, कांकवाड़ी, रघुनाथपुरा

(2) मध्य अरावली →

विस्तार → अजमेर (सांभर से देवगढ़) टॉड

→ यहाँ पर अरावली श्रृंखला संकीर्ण हो जाती है।

→ यहाँ अरावली की औसत ऊँचाई 700 m होती. = 30km

→ तारागढ़ व नाग पहाड़ मुख्य है।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ दर्रे → (i) बर दर्रा
(ii) शिवपुर घाट
(iii) सूरा घाट
(iv) परबेरिया

→ चोटीयां →
(i) मेरामजी (अजमेर) = 933 m
(ii) तारागढ़ (अजमेर) = 873 m
(iii) नाग पहाड़ (अजमेर) = 795 m

(3) दक्षिण अरावली →
विस्तार → देवगढ़ से आबू रोड़।
उदयपुर, राजसमंद, सिरोही, डूंगरपुर

→ यह पूर्णतः पहाड़ी भाग है जो अरावली की अत्यधिक ऊंचाई श्रेणियों के साथ-साथ वनाच्छादित भाग है।

→ पठार →
(i) उड़िया पठार है जो आबू पर्वत से 120 m ऊंचा है।
(ii) भोराट का पठार जो गोगुन्दा व कुम्भलगढ़ के मध्य फैला है।
(iii) लसाड़िया पठार जो जयसमन्द झील के पूर्व में स्थित है कटा-फटा है।

→ चोटीयां →
(i) गुरु शिखर (सिरोही) = 1722 m
(ii) सेर (सिरोही) = 1597 m
(iii) जरगा (उदयपुर) = 1431 m
(iv) अचलगढ़ (सिरोही) = 1380 m
(v) आबू (सिरोही) = 1295 m
(vi) कुम्भलगढ़ (राजसमंद) = 1224 m

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(vii) कमलनाथ पहाड़ी (Udz) : 1001 m

(viii) सज्जनगढ़ (Udz) : 938 m

→ मेवाड़ में अन्य पहाड़ियाँ हैं जिनमें सायरा (900m), गोगुन्दा (840m) व कोलड़ा (450m) प्रमुख है।

→ जालौर के जसवन्तपुरा क्षेत्र में डोरा पर्वत (869m) है।

→ बाड़मेर में गोलाकार पहाड़ियाँ पायी जाती जिन्हें छप्पन की पहाड़ियाँ / नाकोड़ा श्रेणी कहते हैं।

→ आबू पर्वत 19 km लम्बा 8 km चौड़ा व समुद्र तल से 1200 m ऊँचा है।

→ जालोर क्षेत्र में रोजा भाखर (730m), इसराना भाखर (839m), झारोला पहाड़ (588m) है।

→ उदयपुर शहर के चारों ओर फैली पहाड़ियाँ गिर्वा कहलाती हैं।

## → पूर्वी मैदान

→ विस्तार → भरतपुर, अलवर, धौलपुर, माधोपुर, जयपुर, टोंक, भीलवाड़ा, अजमेर, बांसवाड़ा, चित्तौड़, प्रतापगढ़, आदि

→ प्रतिशत → 23.3% जनसंख्या → 39%

→ यह मैदान अरावली के पूर्वी भाग में है।

→ मिट्टी → जलोढ़ / दोमट वर्षा → 60-80 cm

→ उपविभाजन → (1) चम्बल बेसिन।
(2) बनास बेसिन।
(3) माही बेसिन
(4) बाणगंगा बेसिन।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

⇒ **राज. के क्षेत्रों के ऐतिहासिक नाम**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | यौधेय | → | गंगानगर, हनुमानगढ़। |
| 2 | विराट / ढूंढाड़ | → | जयपुर, दौसा, टोंक। |
| 3 | कुरु | → | अलवर का उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र। |
| 4 | मेवात | → | अलवर, भरतपुर। |
| 5 | शूरसेन | → | भरतपुर, धौलपुर, करौली। |
| 6 | मत्स्य संघ | → | अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली। |
| 7 | डाँग | → | धौलपुर, करौली। |
| 8 | रणत प्रदेश | → | रणथम्भौर। |
| 9 | हय-हय क्षेत्र | → | कोटा, बूंदी। |
| 10 | हाड़ौती | → | कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़। |
| 11 | जांगल | → | बीकानेर। |
| 12 | अहिछत्रपुर | → | नागौर। |
| 13 | मारवाड़ | → | जोधपुर, पाली। |
| 14 | गुर्जरात्रा | → | जोधपुर द.। |
| 15 | माँड | → | जैसलमेर। |
| 16 | श्रीमाल | → | भीनमाल। |
| 17 | वल्ल / दुंगल | → | जैसलमेर, बाड़मेर। |
| 18 | थली | → | बीकानेर चूरू की उच्च मरुभूमि। |
| 19 | जाबालीपुर | → | जालौर। |
| 20 | चन्द्रावती | → | आबू क्षेत्र। |
| 21 | मेवाड़ | → | उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़, राजसमंद |
| 22 | मेदपाट / शिवि | → | मेवाड़। |
| 23 | ऊपरमाल | → | बिजोलिया व चित्तौड़ का मध्य क्षेत्र |
| 24 | छप्पन मैदान | → | प्रतापगढ़-बांसवाड़ा का मध्य क्षेत्र |
| 25 | वागड़ | → | डूंगरपुर, बांसवाड़ा। |
| 26 | बांगर | → | नागौर, चूरू का कुछ क्षेत्र |
| 27 | देशहरो | → | जरगा व रागा पहाड़ी का मध्य क्षेत्र। |

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

28 मालखेराड़ → जहाजपुर व टोंक का कुछ क्षेत्र।

29 भोमट → डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, सीरोही का पहाड़ी क्षेत्र।

30 भाखर → सीरोही, जालौर की नुकीली पहाड़ियां।

31 ताली → बालुका स्तुपों के मध्य नीचा भाग।

# [राज. में कृषि व्यवस्था]

Part-1

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

## विशेषता

→ राज्य की लगभग 65-75% आबादी कृषि कार्य में संलग्न है।
→ राज. की कृषि को मानसून का जुआ कहते है।
→ कृषि प्राथमिक आर्थिक क्रिया है।
→ राज्य कृषि का राजस्व (आय) में योगदान = 52%
→ राज्य की G.D.P में योगदान = 25.15% (स्थिर कीमतों)
25.56% (प्रचलित कीमतों)
→ राज्य में भारत का कुल कृषि योग्य भूमि का 11% है।
→ राज्य का लगभग 70-75% भाग कृषि योग्य है।
→ RJ. में सर्वाधिक कृषि योग्य भूमि वाला जिला = बाड़मेर
→ न्यूनतम कृषि भूमि वाला जिला = राजसमन्द।
→ सर्वाधिक बंजर भूमि वाला जिला = जैसलमेर।
→ सर्वाधिक परती भूमि वाला जिला = जोधपुर, नागौर
→ सर्वाधिक सिंचाई वाला जिला = गंगानगर
→ न्यूनतम सिंचाई वाला जिला = क्षेत्रफल → राजसमंद
प्रतिशत → चूरू
→ राज्य में कृषि गणना 5 वर्ष है जो राजस्व विभाग करता है।
→ राज्य में सर्वाधिक बोई गई फसल = बाजरा (खरीफ)
→ सर्वाधिक उत्पादन वाली फसल = गेंहू (रबी)
→ सर्वाधिक दलहन = चना।
→ सर्वाधिक तिलहन = सरसों

## → राज. की भूमि उपयोग

आंकड़े = 2015-16

| प्रकार | प्रतिशत | क्षेत्रफल |
|---|---|---|
| वानिकी → | 8.03% | 27.53 लाख हेक्टे. |

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

चारागाह → 4.87% 16.7 लाख हैक्टेयर
बंजर → 11.18% 38.3 लाख हैक्टेयर
शुद्ध बोया क्षेत्र → 53% 181.63 लाख हैक्टेयर

⇒ **फसलों के प्रकार**

(1) खरीफ की फसल →
"सियालू की फसल"
बिजाई → जून - जुलाई
कटाई → अक्टूबर - नवम्बर
फसलें → बाजरा, ज्वार, ग्वार, मक्का, कपास, गन्ना, अरण्डी, चावल, मूंगफली, तिल, मूंग, मोठ etc.

(2) रबी की फसल →
"उनालू की फसल"
बिजाई → अक्टूबर - नवम्बर
कटाई → मार्च - अप्रैल
प्रमुख फसल → गेहूं, जौ, चना, सरसों, राई, अलसी, तारामीरा, मसूर etc.

(3) जायद की फसल →
बिजाई → मार्च - अप्रैल
कटाई → जून - जुलाई

⇒ **राज. में कृषि जलवायु प्रदेश**
→ कुल राजस्थान में 10 जलवायु प्रदेश हैं।

Join on telegram · t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(1) उत्तरी सिंचित क्षेत्र।
(2) अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र।
(3) पश्चिमी शुष्क क्षेत्र।
(4) आंतरिक जल निकासी शुष्क क्षेत्र।
(5) लूनी बेसिन।
(6) अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदान।
(7) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदान।
(8) उपार्द्र दक्षिणी मैदान।
(9) आर्द्र दक्षिणी मैदान।
(10) आर्द्र द.पू. मैदान।

Part-2

⇒ राजस्थान में कृषि शोध संस्थान

(1) केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संगठन = दुर्गापुरा (जयपुर)
(2) केन्द्रीय कृषि फार्म = (i) सूरतगढ़ (गंगानगर)
15 Aug 1956
सहयोगी = रूस
(ii) जैतसर (गंगानगर)
1 Aug 1964
सहयोगी = कनाडा
(3) बेर एवं खजूर अनुसंधान केन्द्र = बीकानेर
(4) केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान = बीछवाल (BKN)
(5) केन्द्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र = (i) सेवर (भरतपुर)
20 oct 1993
(6) बाजरा अनुसंधान केन्द्र = जोधपुर
(7) ज्वार अनुसंधान केन्द्र = वल्लभनगर
(8) चावल अनुसंधान केन्द्र = बांसवाड़ा
(9) सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र = बांसवाड़ा
(10) बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र = तबीजी (अजमेर)

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(11) CAZRI = जोधपुर (1959)।

(12) शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (AFRI) = जोधपुर (1985)।

(13) कपास अनुसंधान केन्द्र = गंगानगर।

(14) इसबगोल अनुसंधान केन्द्र : मण्डोर।

⇒ (राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालय) *

(1) स्वामी केशवानन्द कृषि वि.वि →

→ बीकानेर

स्थापना → 1962 (उदयपुर में)।

→ 1887 में बीकानेर स्थानांतरित।

→ 2009 में स्वामी केशवानन्द नामकरण।

(2) महाराणा प्रताप कृषि वि.वि →

उदयपुर

स्थापना → 1999

(3) नरेन्द्र कृषि वि.वि →

जोबनेर (जयपुर)

स्थापना → 2013

(4) जोधपुर कृषि वि.वि →

जोधपुर (2013)

(5) कोटा कृषि वि.वि →

कोटा।

स्थापना → 2013

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

⇒ (राज्य की कृषि योजना)

(1) GRAM →
"Global Raj. Agritech Meet"
→ प्रथम = जयपुर (Nov. 2016)
दूसरा = कोटा (May. 2017)
तीसरा = उदयपुर (Nov. 2017)

(2) सावित्री बाई फुले महिला कृषक सशक्तिकरण →
→ 2015 में प्रारंभ
→ महिला online बिक्री ⇒ 50000 → 500 Extra
100000 → 1000 Extra

(3) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना →
→ 19 Feb 2015 को
सूरतगढ़ से शुरू हुई।
→ स्वस्थ धरा - खेत हरा नारा।

(4) PMKBY →
→ 6 Feb 2016
→ इसमें व्यापारिक फसलों का प्रीमीयम = 5%
खरीफ का — " — = 2%
रबी — " — " — " = 1.5%

(5) राष्ट्रीय बम्बू मिशन →
→ 2007-08 में
→ 12वीं से शामिल।

Join on telegram · t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(6) राष्ट्रीय बागवानी मिशन →

→ 2005 - 06

→ 24 जिले शामिल

(7) कृषि प्रसंस्करण व प्रोत्साहन नीति → 2019

⇒ (राज. में कृषि उत्पादन) →

"आर्थिक समीक्षा 2019-20 अनुसार"

→ 2019-20 में कुल खाद्यान्न उत्पादन = 249.88 लाख मैट्रिक टन (गत वर्ष से 8.06% ज्यादा)

→ खरीफ खाद्यान्न = 89.25 लाख मैट्रिक टन (गत वर्ष से 5.56% ज्यादा)

→ रबी खाद्यान्न = 160.63 लाख मैट्रिक टन (गत वर्ष से 9.50% ज्यादा)

⇒ (राज. की प्रथम कृषि नीति) →

→ 26 Jun 2013

उद्देश्य → किसानों की आय दुगनी करना।

⇒ (राज. में दलहन) →

(1) (चना) → बीकानेर
(2) मोठ → चुरू
(3) अरहर → बाँसवाड़ा
(4) चँवला → झुन्झुनू
(5) मूंग → नागौर
(6) उड़द → ~~[illegible]~~ बूंदी
(7) मसूर → कोटा

(8) ग्वार = गंगानगर

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

⇒ राज. में तिलहन → सर्वाधिक = अलवर

(1) मूंगफली → लूणकरणसर
(2) अरण्डी → झालावाड़
(3) सरसों → अलवर
(4) राई → अलवर
(5) सोयाबीन → झालावाड़
(6) तारामीरा → जयपुर
(7) अलसी → नागौर
(8) ईसबगोल → जालौर

⇒ राज. में मसाला → सर्वाधिक = बारां

धनिया → झालावाड़
जीरा → जालौर
मैथी → सीकर
हल्दी → डूंगरपुर
अदरक → उदयपुर
अजवायन → प्रतापगढ़
चुकन्दर → सीकर
प्याज → सीकर
सौंफ → नागौर
लहसुन → बारां

⇒ फल उत्पादन → सर्वाधिक = गंगानगर

आम → चित्तौड़
अमरूद → स. मा.
टमाटर → जयपुर

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

मटर → जयपुर
~~जयपुर~~ केला → बांसवाड़ा
अनार → जालौर
मौसमी, किन्नू → गंगानगर
नींबु → भरतपुर
नाशपती → झालावाड़
शहतुत → जयपुर
खजुर → बीकानेर
संतरा → झालावाड़
आंवला → अजमेर
अंगुर → गंगानगर
बेर → जयपुर (चौमू)
पपीता → टोंक
चीकू → सीरोही
सीताफल → राजसमंद

(विषय-3)

⇒ **राज. मे मंडियां**

जीरा → नागौर, जोधपुर
संतरा → भवानी मंडी
मिर्च → टोंक
प्याज → अलवर
किन्नू → गंगानगर
इसबगोल → भीनमाल.
लहसून → छिपाबड़ौद
मूंगफली → बीकानेर
मोठ → नोखा
फुल → पुष्कर
अमरूद → स. माधोपुर

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

आँवला → ~~खोखला~~ चौमू
मेहन्दी → सोजत
अश्वगंधा → झालरापाटन
टमाटर → जयपुर

⇒ खरीफ फसलें

(1) बाजरा →
- वनस्पति नाम → पैनीसिटम टाइफोडियम
- उपनाम → राज. गौरव, गरीब का भोजन
- तापमान → 30–35°C
- वर्षा → 40 cm
- मिट्टी → बालु।
- रोग → (i) चेपा, अजरक, कंडुआ।
(ii) हरित बाली।
(iii) जोगिया (देशी बाजरे में)।
- किस्में → (i) RAJ 171.
(ii) CM 46.
(iii) WCC 75.

सर्वाधिक उत्पादन → अलवर

(2) ज्वार →
- वनस्पति नाम → सोरगम वल्गेयर
- उपनाम → गरीब की रोटी।
- उपयोग → एल्कोहल निर्माण में
- तापमान → 30–35°C
- वर्षा → 50 cm
- मिट्टी → बलुई दोमट।
- सर्वाधिक उत्पादन → अजमेर।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(3) मक्का →

- वनस्पतिक नाम → ज़िया मेज
- उपनाम → अनाजों की रानी।
- तापमान → 20° - 40°C
- वर्षा → 50 - 100 Cm
- मिट्टी → $N_2$ युक्त दोमट
- सर्वाधिक उत्पादन → बाँसवाड़ा
→ इसकी हरी पत्तीयों से साइलेज चारा बनाया जाता है।

- किस्में → (i) माही कंचन।
  (ii) माही धवल।

(4) चावल →

- वनस्पतिक नाम → ओरिजा सटीवा।
- तापमान → 20° - 30°C
- वर्षा → 100 - 150 cm
- मिट्टी → चिकनी, दोमट, जलोढ़, कांप
- किस्में → (i) माही सुगन्धा।
  (ii) चम्बल।
  (iii) रत्ना।
- सर्वाधिक उत्पादन → बूंदी, हनुमानगढ़

(5) गेंहू →

- वनस्पतिक नाम → ट्रिटिकम एस्टीवम
- तापमान → 10 - 20°C
- वर्षा → 100 cm
- मिट्टी → दोमट
- किस्में → (i) राज. 3765 (iii) कोहिनूर
  (ii) 1482 (iv) सोना कल्याण

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ शीतकालीन मावठ उपयोगी।
- रोग → (i) चेपा।
(ii) काली स्टेम्वल।
- सर्वाधिक उत्पादन → गंगानगर + हनुमानगढ़
→ RJ. की प्रमुख रबी/खाद्यान्न फसल।

(6) **जौ** →
- वनस्पतिक नाम → होर्डियम वल्गेयर
- तापमान → 10 – 20°C
- वर्षा → 50-80 Cm
- मिट्टी → दोमट
- किस्में → (i) ज्योति
(ii) RD 2508
- उपयोग → बीयर बनाने में
- सर्वाधिक उत्पादन → जयपुर

⇒ **व्यापारिक फसलें** →

(1) **गन्ना** →
→ मूलतः भारतीय पौधा।
- तापमान → 20-30°C
वर्षा → 100-150 Cm
मिट्टी → काली

→ एक बार लगाने के पश्चात 3 वर्ष तक उत्पादन।

सर्वाधिक उत्पादन → गंगानगर + हनुमानगढ़
रोग → लाल सड़न रोग

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(2) कपास →

→ इसे कणीमा कहते हैं।
→ इसे सफेद सोना कहते हैं।

- तापमान → 30-40°C
- वर्षा → 50-100cm
- मिट्टी → काली
(आसमान स्पष्ट व पाला मुक्त हो।)
- रोग → बाल बिबिल कीड़ा

(3) होहोबा / जोजोबा →

→ पीला सोना कहलाता।
→ मूलत: USA का पौधा
→ 1965 में CAZRI द्वारा इजराइल से लाया

- कृषि फार्म → (i) ढुन्ढ (जयपुर)
(ii) फतेहपुर (सीकर)
(iii) बीकानेर (बीकानेर)

(4) अफीम →

- चित्तौड़गढ़
- काला सोना

(5) तम्बाकू → जालौर

(6) जैतून →

→ इजराइल की सहायता से खेती।

- सर्वाधिक उत्पादन → झुंझुनु
- रिफाइनरी → लूणकरणसर
तेल को राज. सरकार RAJ OLIVE OIL नाम से बेचती है

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ जैतुन पत्ती से चाय बस्सी (जयपुर) में बनाई जाती है।

⇒ **विविध** →

(1) KISMAT योजना -

→ 2017

→ कृषि, वानिकी, पशुपालन में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की योजना।

→ बहुउद्देश्य एग्री ट्रेड टावर → (i) गंगानगर
(ii) कोटा
(iii) खैरथल

→ बजेड़ → पान की खेती (करौली)

→ गोचनी → गेंहु + जौ + चना

→ धमासा → कसली खरपतवार

→ मसाला निर्यात प्रोत्साहन योजना → 2015

→ किसान कलेवा योजना → Jan 2014
↳ मंडी में 5 ₹ में भोजन

→ राजीव गाँधी कृषक साथी योजना → DEC 2009
- कृषि कार्य में संलग्न किसान मृत्यु पर 2 लाख व अंग भंग पर 50 हजार

→ KCC योजना → - 29 Jun 1999।
- प्रथम KCC = रामनिवास यादव (JPR)

→ India mix → गेंहु + मक्का + सोयाबीन मिश्रीत आटा।

→ राज्य की प्रथम निजी मण्डी → कैथुन
- स्थापना = ABW कम्पनी (AUS)

→ RJ. का प्रथम कृषि डिपोस्क → सांगोद (कोटा)

→ RJ. की प्रथम किसान कम्पनी → बकानी (झालावाड़)

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ रा. का प्रथम पादप क्लीनिक → मण्डोर।
→ प्रथम कृषि विज्ञान केन्द्र → फतेहपुर।
→ राज. राज्य बीज निगम → 28 march 1978
→ निर्मल ग्राम योजना → 1999-2000
- प्रथम गांव = बख्तारपुरा (झु.)
→ किसान स्वास्थ्य सुरक्षा योजना → 2006
- 1 लाख की आर्थिक सहायता
→ प्रथम कृषि रेडियो स्टेशन → भीलवाड़ा
→ राज. कृषि नीति → 2013
- यह नीति R.S. पारीख की अध्यक्षता में Jun 2013 को।
- इसका लक्ष्य (i) अगले 10 वर्ष में उत्पादन दुगना
(ii) कृषि वृद्धि दर 4% हासील करना।
(iii) पंचायत पर किसान सेवा केन्द्र की स्थापना।

→ भू उपयोग सांख्यिकी (2017-18)

(i) वानिकी ⇒ 8.04% [27.56 लाख हैक्टेयर]
(ii) ऊसर ⇒ 6.95% [23.83 —"— —"—]
(iii) स्थाई गोचर ⇒ 4.88% [16.73 —"— —"—]
(iv) बंजर ⇒ 11.17% [38.31 —"— —"—]
(v) अन्य चालू पड़त ⇒ 5.81% [19.92 —"— —"—]
(vi) चालू पड़त ⇒ 5.08% [17.42 —"— —"—]
(vii) शुद्ध बोया गया ⇒ 52.22% [179.03 —"— —"—]
(viii) कृषि के अलावा भू उपयोग ⇒ 5.78% [19.83 —"— —"—]

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र ↓

(i) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर अनार ⇒ बस्सी (जयपुर)
(ii) —"—"— खजूर ⇒ सगरा भोजका (जैसल.)
(iii) —"—"— जैतून ⇒ बस्सी (जयपुर)
(iv) —"—"— संतरा ⇒ देवडावास (टोंक)
(v) —"—"— आम ⇒ खेमरी (धौलपुर)
(vi) —"—"— सीताफल ⇒ चित्तौड़
(vii) ड्रैगन फ्रूट्स ⇒ बस्सी (जय.)
(viii) —"—"— औषधीय ⇒ माबली
(ix) —"—"— सब्जी ⇒ बूंदी
(x) —"—"— उद्यानिकी ⇒ जयपुर
(xi) —"—"— फूल ⇒ स. माधोपुर

→ कृषि विज्ञान की शाखाएं ↓

1. वर्मीकल्चर → केंचुआ पालन।
2. ओलिवी कल्चर → जैतून कृषि।
3. वेजी कल्चर → मानव द्वारा सब्जियों कृषि।
4. विटी कल्चर → अंगूर की खेती।
5. सिल्वी कल्चर → वनों का संरक्षण व संवर्धन।
6. पीसी कल्चर → मछली कल्चर।
7. ओलेरी कल्चर → जमीन पर फैलने सब्जी अध्ययन
8. मैरी कल्चर → समुद्री जीवों का उत्पादन।
9. फ्लोरी कल्चर → फूलों की कृषि।
10. सेरी कल्चर → शहतूत कृषि।
11. पमोलॉजी → फूलों का उत्पादन, छंटाई, संरक्षण।
12. एपीकल्चर → मधुमक्खी पालन।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ कृषि क्रांतियां ↓

(1) हरित क्रांति → - 1960 USA से शुरुआत।
- जनक : नारमन बॉरलॉग
- भारत में 1966-67 से शुरुआत।
→ भारत में जनक = M.S. स्वामीनाथन
- चावल, गेंहू पर सर्वाधिक प्रभाव।
- पंजाब व हरियाणा सबसे ज्यादा लाभान्वित राज्य।
- रसायनिक उर्वरकों का उपयोग बढ़ा।
- उन्नत बीजों का उपयोग।
- सिंचाई सुविधा का विकास।
- आधुनिक कृषि उपकरण उपयोग में बढ़े।
- मृदा परीक्षण आरंभ हुआ।
- कृषि अनुसंधान आरंभ हुए।

(2) श्वेत क्रांति → - ऑपरेशन फ्लड / दुग्ध क्रांति।
- 13 Jan 1970
- जनक : वर्गीज कुरियन।

(3) पिली क्रांति → तिलहन
(4) रजत क्रांति → अण्डा
(5) लाल क्रांति → टमाटर व मांस
(6) नीली क्रांति → मछली
(7) गोल क्रांति → आलू
(8) भूरी क्रांति → खाद, उर्वरक
(9) सुनहरी क्रांति → बागवानी
(10) मूक क्रांति → मोटे अनाज

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(11) परभणी क्रांति → भिंडी।
(12) कृष्णा क्रांति → बायोडीजल।
(13) गुलाबी क्रांति → झींगा मछली।
(14) बादामी क्रांति → मसाला।
(15) धूसर क्रांति → सीमेंट।
(16) इन्द्रधनुष क्रांति → सभी पर नियंत्रण।
(17) सैफ्रॉन क्रांति → केसर।
(18) सदाबहार क्रांति → जैव तकनीकी से कृषि कार्य।
(19) हरितसोना क्रांति → बाँस उत्पादन।
(20) खाकी क्रांति → चमड़ा उत्पादन।

# [राज. मे परिवहन]

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

**प्रकार**

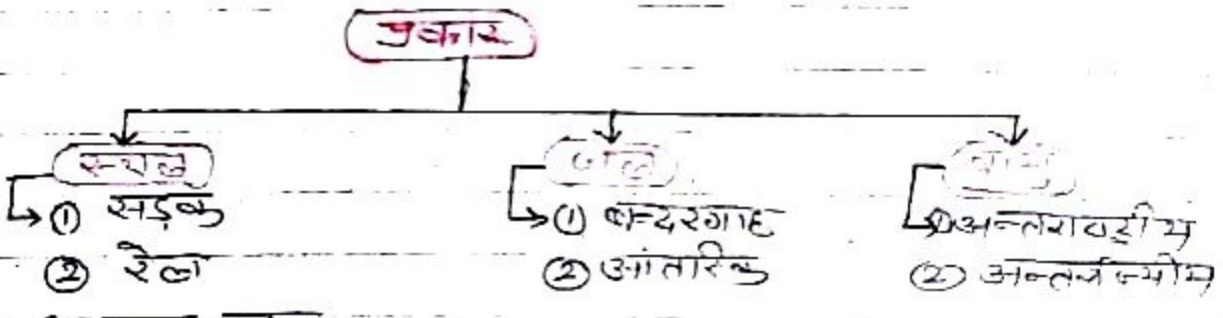

- **स्थल**
  1. सड़क
  2. रेल
  3. पाइप लाइन
- **जल**
  1. बन्दरगाह
  2. आंतरिक
- **वायु**
  1. अन्तराष्ट्रीय
  2. अन्तर्देशीय

## सड़क परिवहन

→ जनक (भारत) = शेर शाह सूरी

→ आधुनिक सड़कों का जनक = मैकाडम ।

→ **सड़कों का वर्गीकरण** ↓

→ 1953 मे नागपुर सम्मेलन मे अनुसार जिन्हे निम्न भाग मे बांटा -

(1) राष्ट्रीय राजमार्ग

(2) राज्य राजमार्ग

(3) मुख्य जिला सड़के

(4) अन्य जिला सड़के

(5) ग्रामीण सड़के

→ **वर्तमान वर्गीकरण** -

(1) **एक्सप्रेस - वे** - (संचालन = केन्द्र सरकार)

- रखरखाव = NHAI
- मध्य स्टोन = पीले रंग का
- पहला एक्सप्रेस - वे = गुड़गांव - जयपुर

(2) **राष्ट्रीय राजमार्ग** - दो राज्य की राजधानी, प्रमुख औद्योगिक, धार्मिक, आर्थिक क्षेत्र को जोड़ती।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

- संचालन = केन्द्र सरकार
- निर्माण = NHAI
- माइल स्टोन = पीला रंग
- राज. मे N.H की संख्या = 47

(3) **राज्य राजमार्ग** - - जिला मुख्यालय व प्रमुख स्थानो को जोड़
- संचालन = राज्य सरकार
- रखरखाव = RIDCOR
- माइल स्टोन = हरा रंग
- राज्य मे स्टेट हाइवे = 163

(4) **मुख्य जिला सड़के** - - तहसील व जिले को NH से जोड़ती।
- संचालन = जिला परिषद
- रखरखाव = जिला परिषद
- माइलस्टोन = काला रंग।

(5) **ग्रामीण सड़के** - - ग्राम पंचायतों को आपस मे जोड़ना।
- संचालन = ग्राम पंचायत
- रखरखाव = ग्राम पंचायत
- माइलस्टोन = लाल रंग

→ **RJ. मे सड़को की लम्बाई** = (31 मार्च 2019 तक)

(1) राष्ट्रीय राजमार्ग = 9585.131 km (डामरीकृत)
(2) राज्य राजमार्ग = 15452.21 km (—"—)
(3) मुख्य जिला सड़क = 8547.69 km (—"—)
(4) अन्य जिला सड़के = 45066.80 km (—"—)
(5) ग्रामीण सड़के = 135276.51 km (—"—)

Join on telegram · t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

सड़क घनत्व = 77.21 km/100 km²

⇒ **राष्ट्रीय राजमार्ग**

→ नामांक परिवर्तन : April 2010

उ

- सम क्रमांक।
- पूर्व से पश्चिम में बढ़ता है।

द.

- विषम
- क्रमांक उत्तर से दक्षिण में बढ़ता।

→ **स्वर्णिम चतुर्भुज योजना** -

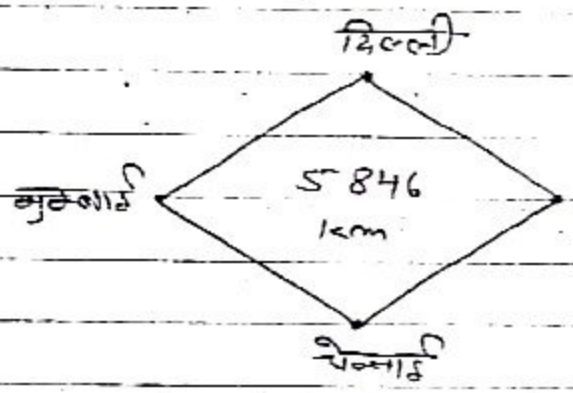




→ उत्तर दक्षिण गलियारा -

- श्रीनगर - कन्याकुमारी
- लम्बाई = 3745 km
- NH = 44 (नया)
- राज. में धौलपुर से।

→ पूर्व पश्चिम गलियारा -

- पोरबंदर - सिलचर
- लम्बाई = 3507 km
- NH = 27 (नया)
-

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

→ राज. के राष्ट्रीय राजमार्ग →

(1) NH-3 (नया-44) → - पहले आगरा से मुंबई था जो RJ. में धौलपुर से जाता है।
- ये उत्तर-दक्षिण गलियारे में शामिल

(2) NH-8 (नया-48,58) → - दिल्ली से मुम्बई तक जाता।
- RJ में बहरोड़, जयपुर, अजमेर, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर।
- बहरोड़ से अजमेर = 48
अजमेर से रतनपुर = 58

(3) NH-11 (नया-11,21,52) → - बीकानेर से आगरा।
- RJ में बीकानेर, चूरू, फतेहपुर, सीकर, जयपुर, दौसा, भरतपुर।
- बीकानेर से फतेहपुर = 11
फतेहपुर से जयपुर = 52
जयपुर से भरतपुर = 21
- यह घाट की घूणी सुरंग से गुजरता
- इस पर मेंहदीपुर बालाजी व केवलादेव अभयारण्य है
- NH-11 स्वर्णीम त्रिकोण में शामिल है
नया = NH-21

(4) NH-12 (नया-52) → - जयपुर से जबलपुर
- RJ में जयपुर, टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, झालावाड़।
- इस पर बूंदी सुरंग व मुकुन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान है।

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(5) NH-14 (नया-27, 62, 162) → - ब्यावर से कांडला।
- RJ में ब्यावर, पाली, सीरोही।
- ब्यावर से पाली = 162
पाली से सिरोही = 62
सिरोही से पिण्डवाड़ा = 27
- इस पर ब्यावर से पाली 6 लेन
बन रही है

(6) NH-15 (नया-11, 62, 68) → - पठानकोट से कांडला
- RJ में गंगानगर, बीकानेर, फलोदी, जैसलमेर, बाड़मेर, सांचौर, ~~[illegible]~~
- गंगानगर - बीकानेर = 62
- बीकानेर - जैसलमेर = 11
- जैसलमेर - सांचौर = 68
- इस पर खवडीम स्टेडियम है

(7) NH-65 (नया-52, 58, 62) → - अम्बाला से पाली
- RJ में चुरू, फतेहपुर, नागौर, जोधपुर, पाली।
- चुरू - फतेहपुर = 52
- सीकर - नागौर = 58
- नागौर - पाली = 62

(8) NH-71B (नया-919) → - रेवाड़ी से धारूहेड़ा
- अलवर में 5 km।

(9) NH-76 (नया-27) → - पिण्डवाड़ा से शिवपुरी
- RJ में पिण्डवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़, माण्डलगढ़, बूंदी, कोटा, बारां

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

- यह पूर्व-पश्चिम गलियारे में शामिल है।
- कोटा में झूलता पुल है

(10) NH-79 (नया-48) → अजमेर से नीमच
- RJ. में अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़

(11) NH-89 (नया-58,62) → अजमेर से बीकानेर
- अजमेर, नागौर, बीकानेर
- अजमेर-नागौर = 58
- नागौर-बीकानेर = 62

(12) NH-112 (नया-25) → - बर से बाड़मेर
- बर, पाली, बाड़मेर

(13) NH-113 (नया-56) → - निम्बाहेड़ा से बांसवाड़ा
- RJ में निम्बाहेड़ा, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा

(14) NH-114 (नया-125) → - जोधपुर से पोखरण

(नये - NH)

(1) NH-11 → मौंजर (जैस.), फलौदी, बीकानेर, रतनगढ़, फतेहपुर, झुन्झुनु, सिंघाना, नारनौल, रेवाड़ी

(2) NH-21 → जयपुर, दौसा, भरतपुर, आगरा, बरेली

(3) NH-52 → संगरूर, चुरू, फतेहपुर, जयपुर, टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, झालावाड़

Join on telegram - t.me/second_grade_exam
(Handwritten Notes and Quizzes)

(4) NH-23 → चाकसू, लालसोट, करौली, धौलपुर।

(5) NH-25 → मुनाबाव, बाड़मेर, जोधपुर, जैतारण, ब्यावर

(6) NH-54 → कैंचिया (हनु.), पठानकोट

(7) NH-27 → पिण्डवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, माण्डलगढ़, बूंदी, कोटा, बारां, शिवपुरी

(8) NH-48 → दिल्ली, अलवर, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़, उदयपुर, डूंगरपुर, चैन्नई

Past-3

(9) NH-58 → फतेहपुर, सुजानगढ़, लाडनू, नागौर, मेड़ता सीटी, अजमेर, राजसमंद, गोगुन्दा, उदयपुर, डूंगरपुर

(10) NH-62 → अबोहर, गंगानगर, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, पाली, सीरोही, पिण्डवाड़ा

(11) NH-56 → निम्बाहेड़ा, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा, दौसा।

विविध तथ्य →

- राज्य में सर्वाधिक सड़कों से जुड़ा गांवों वाला जिला = उदयपुर।
- न्यूनतम सड़को से जुड़ा गांववाला जिला = सीरोही।
- सर्वाधिक सड़को से जुड़ी सर्वाधिक G.P जिला = जयपुर।
- न्यूनतम — " ——— = जैसलमेर
- राज्य में सर्वप्रथम सरकारी बस सेवा संचालन टोंक मे 1952 में।